# CLASS 8TH HINDI REVISION FOR 2ND SEMESTER EXAM

## HINDI PAPER PATTERN

प्र1 एक शब्द में उत्तर लिखिए।
प्र2 उचित जोड़ियाँ मिलाओ |
प्र3 निम्नलिखित शब्दों के आधार पर मुहावरे लिखो |
प्र4 नीचे दिए हुए शब्दों के पर्यायवादी शब्द लिखिए।
प्र5 सहायक / प्रेरणार्थक क्रियाओं का अपने स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग करो।
प्र6 निम्न शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों में प्रयोग करो:
प्र7 वचन बदलिए।
प्र8 वृत्तांत लिखिए।
प्र9 निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दो।
प्र10 पत्र लिखिए।
प्र11 निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन लिखो :
प्र12 निबंध लिखो।

## HINDI REVISION

### प्र1 एक शब्द में उत्तर लिखिए।

- यह प्रसव वेदना सहती है -जननी यानी माता
- कृषक धरती को बनाता है - शस्य श्यामला
- जननी स्तन्यदान इसे देती है - शिशु को
- बेटे की मातृभाषा - हिंदी
- बेटे की शिक्षा की माध्यम भाषा - अंग्रेजी
- कृषक मिट्टी को बना देता है - उर्वर
- बेटा पिता के साथ किस पर बैठकर स्कूल गया था? - साइकिल
- पिता अपने बेटे रमन की वर्षगाँठ का कैसे इंतजार करते? -बेसब्री
- बेटा 'डोनेशन' या सालाना जलसे आदि के लिए चंदे की क्या लाता? - छपी पर्चियाँ
- माँ की खुशी का क्या न रहा? - पारावार
- बेटे को शहद के प्याले जैसा क्या लगा था? - बचपन
- पिता के अनुसार बेटा दिनभर सड़क पर क्या करता रहता है? - मटरगश्ती
- इससे लड़के को शत्रुता हो गई - पढ़ाई से
- इनसे बदला लेना चाहता था लड़का - पिताजी से
- अमर कौन होती है?- आत्मा
- हमारा जन्मसिद्ध अधिकार कौन-सा है?- स्वराज्य
- प्रभु अंत समय इससे बात करे रहे थे। - शिकारी से
- प्रभु ने अंत समय जो बाते की वह बातें इसने सुनी थी। - वृद्ध ने
- प्रभु का दायित्व इसमें स्थित रहेगा। - मानव मन के वृत्त में।
- प्रभु के दायित्व को आधार बनाकर मानव यह करेगा। - नूतन निर्माण करेगा।
- श्रीकृष्ण ने अपना दायित्व इन्हें सौंप दिया है - पृथ्वी के हर प्राणी को ।
- जानवरों को चराने की जगह - चरागाह
- जिनके पास बहुत से अतिरिक्त रुपए हैं। - मालदार / धनवान
- बच्चे और पालतू जानवरों की निगरानी कौन करता था?- औरत
- कई हिस्सों में क्या बँट गए? - काम
- जानवरों को चरने के लिए इसकी जरूरत थी - चरागाहों की .

Downloaded from : smartedu.help

- ➢ खेती करना सीख जाने के बाद लोग इसके पास रहने लगे - जमीन के
- ➢ कण-कण में इनका वास होता है। - भगवान का।
- ➢ फूल बगिया की इसके साथ तुलना की गई है। - हिंदुस्तान के साथ।
- ➢ इसके नाम पर हम आपस में लड़ते-झगड़ते हैं। - धर्म व ईश्वर के नाम।
- ➢ कौन नया था? - ठेकेदार
- ➢ नींव की दीवार पर किसने निगाह डाली? - अधिकारी
- ➢ इसने शिकायत की।
- ➢ नए ठेकेदार ने।
- ➢ इसके खिलाफ शिकायत की। - अधिकारी महोदय
- ➢ दाँतों की जड़े कैसी हैं? - गहरी
- ➢ दाँतों को बाहर कौन कर देता है? - दंत चिकित्सक
- ➢ मेधा की ऊँचाई नापेगा - प्रतिभा का पैमाना
- ➢ हम सब मिलकर करें - वसुधा के जयगान से अर्चना
- ➢ सरिता के प्रवाहित होने से ये खिलेंगे - खेत।
- ➢ पैरों की गति इसमें बँधी हुई है - विश्वासों की राह में।
- ➢ ऐसे होते हैं अस्त्र - विनाशक।

**प्र2 उचित जोड़ियाँ मिलाओ |**

| 'अ' | उत्तर | 'ब' |
|---|---|---|
| (i) बहुमंजिला | इमारत | (क) समझदा |
| (ii) अधिकारी | भ्रष्ट | (ख) ईमानदा |
| (iii) नया ठेकेदार | ईमानदार | (ग) भ्रष्ट |
| (iv) अनुभवी ठेकेदार | समझदार | (घ) इमारत |

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| (i) शरीर | (क) विशेषाधिकार |
| (ii) उत्साह | (ख) शक्ति |
| (iii) युवावस्था | (ग) बूढ़ा |
| (iv) विचार | (घ) जवान |

| 'अ' | 'ब' |
|---|---|
| (i) फ्रांसीसी | (क) तीस करोड़ लोग |
| (ii) भारतीय सैनिक | (ख) कांग्रेस की देन |
| (iii) भारतीय साम्राज्य | (ग) रणभूमि |
| (iv) प्रांतीय सम्मेलन | (घ) बहादुरी का परिचय |

| 'अ' | उत्तर | 'ब' |
|---|---|---|
| (i) बुरा काम | बुरा नतीजा | (क) बुरा नतीजा |
| (ii) सार्वजनिक समारोह | सम्मान | (ख) सम्मान |

**छोटा x बड़ा**
**एक x अनेक**
**नकद x उधार**
**प्यार x नफरत**

**प्र3 निम्नलिखित शब्दों के आधार पर मुहावरे लिखो |**

Downloaded from : smartedu.help

- ★ नाकः
  - ○ नाक रगड़ना
  - ○ नाक में दम करना
  - ○ नाक – भौं सिकुड़ना – ।
- ★ दाँतः
  - ○ दाँत खट्टे करना
  - ○ दाँत पीसना
  - ○ दाँतों तले उँगली दबाना
- ★ गला:
  - ○ गला फाड़ना
  - ○ गला काटना
  - ○ गले का हार होना
- ★ मुँह:
  - ○ अपना-सा मुँह लेकर रह जाना
  - ○ मुँह बनाना मुँह बंद कर देना

| मुहावरा | |
|---|---|
| लोहा मानना | |
| रंगे हाथ पकड़ना | |
| घोड़े बेचकर सोना | |
| अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना | |
| खाली हाथ रहना | |
| सिर खपाना | नीचा दिखाना |
| पसीना बहाना | चौपट करना |
| आँखों से परदा हटाना | पारावार न रहना |

MaharashtraBo

**प्र4 नीचे दिए हुए शब्दों के पर्यायवादी शब्द लिखिए।**

- ☐ कपड़ा - वस्त्र
- ☐ परिणाम - नतीजा
- ☐ ढिठाई -धृष्टता
- ☐ चकित् - हैरान, आश्चर्य
- ☐ सुवर्ण - सोना
- ☐ दीन - गरीब
- ☐ हस्त - हाथ, कर
- ☐ प्राण- जान
- ☐ जंगल- वन

| क्र. | समानार्थी शब्द |
|---|---|
| (१) | शरीर = तन |
| (२) | मनुष्य = मानव |
| (३) | पृथ्वी = वसुधा |
| (४) | छाती = वक्षस्थल |
| (५) | पथ = राह |

Maharashtr

- ☐ जिद - हठ
- ☐ क्लास - कक्षा
- ☐ वर्षगाँठ - जन्मदिन
- ☐ खुशी - प्रसन्नता
- ☐ पैदा - उपज
- ☐ शिकार - आखेट
- ☐ जमीन - भूमि
- ☐ शिकारी - आखेटक
- ☐ चाँदी- रजत
- ☐ ग्रामीण - देहाती
- ☐ अचानक - सहसा
- ☐ मदद - सहायता
- ☐ मतलब - स्वार्थ
- ☐ शुद्ध - पवित्र

- ☐ तंगहाली - दुर्दशा
- ☐ काफूर - गायब
- ☐ घर - गृह
- ☐ दिमाग -समझ
- ☐ काम - कार्य
- ☐ परीक्षा - इम्तिहान
- ☐ अधिकार - हक
- ☐ शरीर - देह
- ☐ हानि - नुकसान
- ☐ साहस - हिम्मत
- ☐ प्रयास - प्रयत्न
- ☐ परवाह - चिंता
- ☐ हल- समाधान
- ☐ मुश्किल - कठिन

- ☐ दशा- अवस्था
- ☐ क्षमा - माफी
- ☐ गुस्सा- क्रोध
- ☐ दोस्त - मित्र
- ☐ बहादुरी - वीरता
- ☐ राष्ट्र - देश
- ☐ गरीब- दीन
- ☐ पसीना - स्वेद
- ☐ चीख - चिल्लाहट
- ☐ दिन - दिवस
- ☐ गरम - उष्ण
- ☐ संधि- मिलन
- ☐ नुक्कड़ - गली

**प्र5 सहायक / प्रेरणार्थक क्रियाओं का अपने स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग करो।**
**सहायक क्रिया:**

Downloaded from : smartedu.help

चुकना : पिता जी अखबार पढ़ चुके हैं।
लगना : माताजी खाना बनाने लगी।
रहना : वे सिनेमा देख रहे हैं।
सकना : वह अपना काम समय पर कर सका।
चाहना : उसने अपना काम करना चाहा।

**प्रेरणार्थक क्रियाः**

पढ़वाना: अध्यापक छात्रों से पाठ पढ़वाते हैं।
लिखवाना : सीता अपने बच्चों से कविता लिखवाती है।
करवाना : माँ ने घर का सारा काम अपने बच्चों से करवाया।
खिलवाना : उसने हमें खाना खिलवाया।
दिलवाना : राधा ने अपनी बीमार बहन को नर्स के द्वारा औषधि दिलवाई।

**प्र6 लिंग बदलो |**

| लिंग | |
|---|---|
| कवि | कवयित्री |
| माता | पिता |
| भाई | बहन |
| लेखक | लेखिका |

- आदमी – औरत
- लड़का- लड़की
- पापा - मम्मी
- पिता- माता
- ठेकेदार- ठेकेदारनी
- अधिकारी- अधिकारिनी

| पुल्लिंग | स्त्रीलिंग | पुल्लिंग | स्त्रीलिंग | पुल्लिंग | स्त्रीलिंग |
|---|---|---|---|---|---|
| अभिनेता | अभिनेत्री | कवि | कवयित्री | गायक | गायिका |
| अहीर | अहीरनी | काला | काली | गुड्डा | गुड़िया |
| आत्मज | आत्मजा | कुत्ता | कुतिया | गूंगा | गूंगी |
| ऊँट | ऊँटनी | कुम्हार | कुम्हारिन | गोरा | गोरी |
| ऊँचा | ऊँची | क्षत्रिय | क्षत्राणी | ग्वाला | ग्वालिन |
| कबूतर | कबूतरी | गधा | गधी | घोड़ा | घोड़ी |

**प्र7 वचन बदलिए।**

| वचन | |
|---|---|
| दुकान | दुकानें |
| प्रार्थना | प्रार्थनाएँ |
| अनुभूति | अनुभूतियाँ |
| कपड़ा | कपड़े |
| नेता | नेतागण |

- ➔ बहन - बहनें
- ➔ झिड़की - झिड़कियाँ
- ➔ घड़ी - घड़ियाँ
- ➔ उपलब्धि - उपलब्धियाँ
- ➔ निगाहें- निगाह

- ➔ गतिविधि - गतिविधियाँ
- ➔ भावना - भावनाएँ
- ➔ बातें - बात
- ➔ बेटी - बेटियाँ
- ➔ कुल्हाड़ी - कुल्हाड़ियाँ
- ➔ रोटी - रोटियाँ :
- ➔ नजरें - नजर
- ➔ लकड़हारा - लकड़हारे
- ➔ मित्र - मित्रगण
- ➔ मैं - हम
- ➔ जड़ें- जड़
- ➔ हड्डी - हड्डियाँ
- ➔ सड़क - सड़कें

Downloaded from : smartedu.help

| | |
|---|---|
| | |

**प्र8 वृत्तांत लिखिए।**

1. **अपने विद्यालय में आयोजित स्वच्छता अभियान का वृत्तांत लिखिए।**

Answer:

दिनांक ३ अक्तूबर, २०१८, मुंबई : इस दिन नूतन विद्यालय मुंबई में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में महात्मा गांधी भवन के संयोजक श्री. रामजी मल्होत्रा उपस्थित थे। विद्यालय की विद्यार्थी प्रमुख कुमारी अंजलि ने पुष्पगुच्छ देकर मुख्य अतिथि महोदय जी का स्वागत किया। स्कूल प्राचार्या श्रीमती लता जी ने स्वच्छता अभियान के अवसर पर सभी छात्राओं को बधाई दी। अतिथि महोदय जी ने भी अपने वक्तव्य में स्वच्छता अभियान का महत्त्व बताया।

उन्होंने गांधीजी अपने जीवन में स्वच्छता को बहुत महत्त्व देते थे और सभी को स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित करते थे, इस तथ्य से सभी को अवगत कराया। इसके उपरांत कक्षा सातवीं से लेकर कक्षा दसवीं तक के सभी छात्रों ने विद्यालय के आस-पास का परिसर स्वच्छ करने हेतु अपने अपने हाथों में बुहारी, झाडू आदि वस्तुएँ लेकर अपने कार्य को आरंभ किया। स्वच्छता अभियान में सभी शिक्षकों ने भी हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर विद्यालय के आस-पास पड़ा हुआ कूड़ा-कचरा ही साफ नहीं किया. बल्कि लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में अवगत भी कराया। इस तरह दोपहर के १२ बजे स्वच्छता अभियान का समापन हुआ।

**प्र9 निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दो।**

1. **एक गाँव – दर्जी की दुकान – प्रतिदिन हाथी का दुकान से ,होकर नदी पर नहाने जाना – दर्जी का हाथी – को केला, खिलाना – एक दिन दर्जी को मजाक सूझना – दर्जी दवारा हाथी को सुई चुभाना- परिणाम – शीर्षक - सीख**

**शीर्षक - जैसी करनी, वैसी भरनी**

गणेशपुर नामक गाँव में एक किसान के घर एक पालत हाथी रहता था। वह बड़ा चालाक था। उसका नियम था कि प्रतिदिन सबेरे के समय तालाब पर पीने जाता था। उस रास्ते में एक दर्जी की दुकान पड़ती थी। वह रोज उसे खाने के लिए केले देता था। हाथी इस उपकार का बदला चुकाने के लिए तालाब से लौटते समय दर्जी को एक कमल का फूल देता था। इस प्रकार दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। एक दिन दर्जी ने मन में सोचा क्यों न आज हाथी के साथ मजाक करूँ।

जब हाथी प्रतिदिन के नियमानुसार केले लेने आया, तो दर्जी ने केला के बदले हाथी की सूंड में सुई चुभा दी। हाथी खून का चूंट पीकर तालाब पर चला गया। रास्ते में मन-ही-मन बदला लेने की युक्ति सोचने लगा। तालाब से लौटते समय वह अपनी सूंड में कीचड़ भर लाया और दर्जी की दुकान में डाल दिया। दुकान में रखे सारे नए कपड़े खराब हो गए। दर्जी अपनी हानि देखकर पछताने लगा।

**सीख** : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि जैसा बीज बोओगे, वैसा फल पाओगे।

**2.किसी गाँव में अकाल दयालु जमींदार द्वारा रोज लोगों को रोटियाँ बाँटना - एक बालिका का छोटी रोटी लेना - घर जाना रोटी तोड़ना – रोटी में सोने का सिक्का निकलना - लड़की का जमींदार के पास जाना सोने का सिक्का लौटाना - इनाम पाना - शीर्षक - सीख**

**शीर्षक - इमानदारी**

Downloaded from : smartedu.help

यह बहुत ही पुरानी बात है एक गांव में देवांग नामक दयालु जमींदार रहता था| वह लोगों का बहुत ही भला चाहता था |वह हर रोज लोगों को खाना बांटता था |वही गरीबों की बस्ती में रहती| सोना अपनी ईमानदारी के लिए बस्ती में जानती थी
यह जमींदार के घर रोटी खाने उनके आलीशान घर में गए
वह रोटी लेने के बाद अपने घर वापस जा ही रही थी
कि एक कुत्ते ने उसकी रोटी तोड़ दी इससे बहुत बुरा लगा लेकिन उसने क्या देखा रोटी में से एक सोने का सिक्का बाहर निकला वह सिक्का सोना के पास आ गया वह उसे जांच पड़ताल करने लगी तो उसे पता चला कि यह सिक्का असली सोने का है वह पहले हड़बड़ा आई और उसने सिक्का छुपा लिया और वो फिर जमींदार के घर रास्ते से चलने लगी उसके हाथ पैर कांपने लगे क्योंकि उसने कभी भी सोने का सिक्का देखा ही नहीं था लेकिन उसे पता था यह सिक्का उसका नहीं है वह जमींदार के द्वार पर पहुंच गई जमींदार ने उस पर प्यार से अपने गोदी में बिठाया और पूछा यहां क्यों आई हो तो वह कहने लगी यह सोने का सिक्का आपके इस रोटी में था यह मेरा नहीं है इसलिए मैं आपके पास आई जमींदार देखकर बहुत हीहैरान हुआ उसने कहा तुम अपने नाम की तरह ही मन की अच्छी और सच्ची जमींदार ने वहीं सोने का सिक्का उसे इनाम दारी के वजह से भेटवस्तू कर दे दिया|

**सीख** ;हमें अपनी इमानदारी कभी भी छोड़ने नहीं चाहिए

**प्र10 पत्र लिखिए।**

1. **अपने जीवन में पिता की भूमिका' अधोरेखित करते हुए कृतज्ञता ज्ञापित करने वाला पत्र लिखिए।**

Answer:

१० मई, २०१८

पूज्य पिता जी,
सादर प्रणाम।

आप कैसे हैं? बहुत दिन हो गए है लेकिन आपका पत्र नहीं मिला। मैं ठीक हूँ। मेरी पढ़ाई भी ठीक से चल रही है। आशा करता हूँ कि घर पर सभी ठीक होंगे।
पिता जी, यहाँ का नया कॉलेज बहुत ही अच्छा है। यहाँ पर खाने-पीने व रहने की सारी सुविधाएँ बहुत ही अच्छी हैं। मैं इस कॉलेज में आकर खुश हूँ। दरअसल मैं यह पत्र आपके प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए लिख रहा हूँ।

पिता जी मेरे जीवन में आपका बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। बचपन से लेकर आज तक आपने मुझे पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया है। आपके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से प्रभावित होकर मैं आज मेडिकल की पढ़ाई कर रहा हूँ। सचमुच यदि आप न होते, तो मेरे भविष्य में अंधेरा ही होता। अत: आपका मैं जितना शुक्रिया अदा करूँ वह कम ही होगा।

जैसे ही छुट्टियाँ शुरू होगी, वैसे ही तुरंत मैं घर पर आऊँगा। माता जी को सादर प्रणाम।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,
अथर्व
कुमार अथर्व सक्सेना
२०२ गीत निवास, गांधी नगर, मुंबई : ४००० ९५७
tharv18@gmail.com.

2. **शालेय बैंड पथक के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य से विद्यार्थी प्रतिनिधि के नाते अनुमति माँगते हुए निम्न प्रारूप में पत्र लिखिए।**

Downloaded from : smartedu.help

Answer:

सपना पांडे<br>
विद्यार्थी प्रतिनिधि<br>
कक्षा – आठवीं ‘अ<br>
१३ दिसंबर, २०१८.

प्रति,
मानननीय प्राचार्य,
डॉन बास्को विद्यालय,
भाईंदर (प.)
ठाणे – ४०१ १०५
विषय : शालेय बैंड पथक के लिए आवश्यक सामग्री खरीदने हेतु अनुमति पत्र।

माननीय महोदय,
सादर प्रणाम।
मैं कुमारी सपना पांडे आपके विद्यालय की कक्षा आठवीं ‘अ’ की विद्यार्थी-प्रतिनिधि हूँ। आपको पता है कि इस वर्ष हमारा स्कूल ‘राज्य बैंड प्रतियोगिता’ में हिस्सा लेने वाला है। इसलिए प्रतियोगिता की तैयारी करने के लिए हमें कुछ बैंड सामग्री की जरूरत है। अपने स्कूल के पास जो बैंड सामग्री है वह बहुत ही दयनीय स्थिति में है। अत: इस पत्र के द्वारा मैं आपसे अनुरोध करना चाहती हूँ कि अपने विद्यालय के बैंड पथक के लिए सामग्री खरीदने के लिए मुझे अनुमति दे दीजिए। मुझे आशा है कि हमारी विनती पर अवश्य विचार करेंगे और हमें सामग्री खरीदने के लिए शीघ्र अनुमति प्रदान करेंगे।
कष्टार्थ क्षमा!

आपकी आज्ञाकारी,<br>
सपना पांडे<br>
विद्यार्थी प्रतिनिधि<br>
कक्षा – आठवीं ‘अ’

**प्र11 निम्न मुद्दों के आधार पर विज्ञापन लिखो :**

1. **स्थल/जगह, संपर्क, पुस्तक मेला, दिनांक, समय**

Downloaded from : smartedu.help

2. 'जल के अपव्यय की रोकथाम' संबंधी चित्रकला प्रदर्शनी का आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

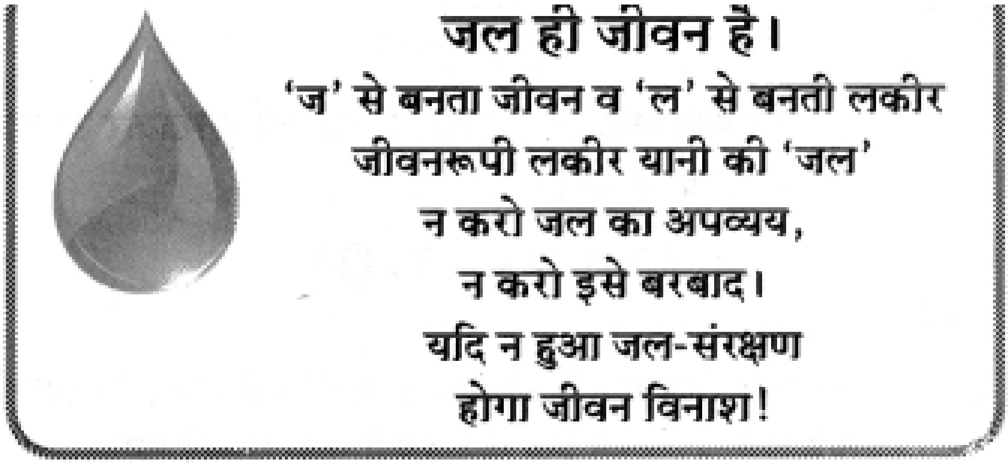


**प्र12 निबंध लिखो।**

1. **'सड़क दुर्घटनाएँ : कारण एवं उपाय' निबंध लिखो।**

Answer:

सड़क यातायात से होने वाली अवांछित घटना एवं उनसे होने वाली हानि सड़क दुर्घटना कहलाती है। देखा जाए तो सड़क दुर्घटना मानव निर्मित आपदा है, जिसे सावधानी बरतकर रोका जा सकता है। सड़क दुर्घटना का प्रमुख कारण है इंसान की लापरवाही या भूल। तेज गति से वाहन चलाने से सड़क दुर्घटना होती है। गलत ओवरटेकिंग व लेन कटिंग के कारण सड़क दुर्घटना होती है। कई लोग नशीले पदार्थों का सेवन कर वाहन चलाते हैं जिससे दुर्घटना होती है। सड़क पर वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करना, तेज आवाज में संगीत सुनना आदि में मग्न होने के कारण भी दुर्घटना होती है। कभी-कभी चालक यातायात संबंधी नियमों की ओर ध्यान नहीं देते हैं अथवा दुपहिया वाहन चालक सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते हैं जिससे दुर्घटना होती है।

सड़क दुर्घटना पर रोक लगाना मानव के ही हाथ में है। उसे नशीले पदार्थों का सेवन करके गाड़ी नहीं चलानी चाहिए। वाहन तेज गति से नहीं चलाने चाहिए। वाहन चलाते समय मोबाइल एवं

Downloaded from : smartedu.help

संगीत नहीं सुनना चाहिए। वाहनों की समय-समय पर जाँच करवानी चाहिए। सरकार को भी सड़क की दशा पर ध्यान देना चाहिए। चालकों को यातायात के सभी नियमों का पालन करना चाहिए। इन सभी का पालन करके हम संभवत: सड़क दुर्घटना को अवश्य रोक सकेंगे।

2. **'तबांकू सेवन के दुष्परिणाम' विषय पर लगभग सौ शब्दों में निबंध लिखिए।**

Answer:

तंबाकू सेवन सेहत के लिए हानिकारक होता है। तंबाकू में एक प्रकार का रासायनिक द्रव्य मिलाया जाता है जो शरीर नुकसान पहुँचाता है। तंबाकू में टार, निकोटीन व कार्बनमोनोक्साइड आदि पदार्थों को मिलाया जाता है। ये सारे पदार्थ मनुष्य के शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। धीरे-धीरे उसका असर दिखाई देने लगता है। सबसे पहले वह मुँह को प्रभावित करता है और उसके बाद संपूर्ण शरीर को प्रभावित करना शुरू कर देता है। जो व्यक्ति तंबाकू का सेवन अधिक मात्रा में करते हैं उन्हें बाल झड़ने की समस्या से भी गुजरना पड़ता है।

तंबाकू का अति सेवन करने से मनुष्य को कैंसर जैसी बीमारियाँ होती हैं जिनका इलाज आज भी विज्ञान के लिए मुश्किल है। अत: बहुत सारे लोगों की तंबाकू को सेवन करने से मृत्यु हो रही है। कई लोग तंबाकू की लत के कारण यदि उन्हें समय पर खाने के लिए मिलता तो चिंतित एवं बेचैन हो जाते हैं। कई लोग तंबाकू का सेवन करना छोड़ना चाहते हैं और वे प्रयास भी करत हैं। लेकिन फिर भी वे अपनी इस आदत को छोड़ नहीं पाते हैं। तंबाकू का सेवन करने से व्यक्ति को हृदय संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता हैं। तंबाकू का सेवन करने से मनुष्य को त्वचा संबंधी बीमारियाँ एवं नाखून झड़ने की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। तंबाकू का सेवन मनुष्य के लिए जानलेवा और खतरनाक है। अतः मनुष्य को तंबाकू का सेवन कतई नहीं करना चाहिए।

3. **'श्रमप्रतिष्ठा का महत्त्व' इस विषय पर निबंध लिखिए।**

**Answer:**

श्रम यानी 'मेहनत करना।' श्रम ही जीवन है। श्रम ही संपत्ति है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को श्रम करना चाहिए। श्रम की पूजा करनी चाहिए; तब जाकर श्रमिक को समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। श्रम के बिना व्यक्ति सफल नहीं हो सकता। श्रम करने से ही कार्य सिद्ध होता है। परिश्रम मानवीय गुण है। श्रम करने से व्यक्ति का मन प्रसन्न रहता है। श्रम करने वाले व्यक्ति को समाज में सम्मान मिलता है। मजदूर दिनभर पुल या सड़क बनाने का काम करता है। वह सूरज की कड़ी धूप व बारिश में भी काम करता है। तब जाकर सड़क, पुल का निर्माण होता है।

किसान खेती करता है। वह दिन-रात मेहनत करता है। इसलिए सभी को खाने के लिए अनाज उपलब्ध होता है। ताजमहल का निर्माण करने में कारीगरों को कई वर्ष लगे। तब जाकर उनकी मेहनत रंग लाई व भव्य वास्तु – शिल्पकला का निर्माण किया। देश को आजादी दिलाने के लिए कई वीरों ने दिन-रात संघर्ष किया। आज विज्ञान के क्षेत्र में जो चतुर्दिक प्रगति हुई है। इसके पीछे कई वैज्ञानिकों का अथक श्रम है। यह सब उनके श्रम का ही फल है कि हम आजाद भारत में विज्ञान का सुख भोग रहे हैं। अत: स्पष्ट है कि श्रम मनुष्य जाति व राष्ट्र की उन्नति के लिए नितांत आवश्यक है।

4. **'छाते की आत्मकथा' विषय पर निबंध लिखिए।**

Answer:

मैं हूँ छाता। मुझे छतरी भी कहा जाता है। जैसे बरसात शुरू हो जाती है, वैसे ही लोगों को मेरी उपयोगिता महसूस होने लगती है। संसार में मेरा उपयोग सब जगह पर होता है। आज मैं कई रूपों व कई रंगों में पाया जाता हूँ। फोल्डिंग के रूप में भी आप मुझे देख सकते हैं। मैं लोगों को बरसात व गरमी से बचाता हूँ। कहा जाता है कि मेरा सबसे पहले आविष्कार चीन में हुआ था। मेरा जन्म एक कारखाने में हुआ था। वहाँ से मुझे दुकानदारों के पास पहुंचाया गया। बरसात शुरू होने से पहले लोग मुझे अधिक कीमत देकर खरीद लेते हैं।

लोगों की सेवा करने में मुझे परम सुख की प्राप्ति होती है। इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया भी मेरा इस्तेमाल करती थीं। यह मेरे लिए बहुत ही आनंद की बात है। जिस प्रकार मेरे जीवन में हर्ष है; वैसे

Downloaded from : smartedu.help

ही मेरे जीवन में दुख भी है। कुछ लोग मेरा प्रयोग ठीक से नहीं करते हैं। कुछ लोग मुझे लापरवाही से पटक देते हैं। इस कारण मेरी हालत बिगड़ जाती है। जब मैं फट जाता हूँ या मुझसे तार अलग हो जाते हैं, तब लोग मेरी मरम्मत करवा लेते हैं। इससे मुझे नया जीवन मिलता है। स्वयं धूप व वर्षा सहकर दूसरों की रक्षा करना, यही मेरा परम कर्तव्य है। आखिर, अपने कर्तव्य का पालन करना मेरा परम कार्य है।

Downloaded from : smartedu.help